रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय जनजाति स्वास्थ्य अनुसंघान संस्थान द्वारा सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन कार्यक्रम का शुभारंभ

जबलपुर 31 जनवरी 2022। हमारे जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों में सिकल सेल रोग एक गंभीर समस्या है, ये हम सभी जानते हैं। इस रोग के उन्मूलन के लिए मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री मंगुभाई पटेल के निर्देशों के परिपालन में एक कार्य योजना तैयार की गई है। हम सभी को सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन हेतु सभी बिदुओं पर विचार रखते हुये शत प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करने का संकल्प लेना है। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि मध्यप्रदेश में मात्र इसी संस्थान में सिकल सेल एनीमिया की जाँच होती है एवं चयनित रोगियों का इलाज भी किया जाता है। उपरोक्त उद्बोधन माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने सोमवार को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय जनजाति स्वास्थ्य अनुसंघान संस्थान, जबलपुर द्वारा सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर व्यक्त किये।

सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए रादुविवि एवं राष्ट्रीय जनजाति स्वास्थ्य अनुसंघान संस्थान, जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में आदिवासी जिला मण्डला के ब्लॉक बीजाडांडी के अंतर्गत 5 गाँव तरवानी, औरेया, समनापुर, डोभी, जमुनिया को गोद लिया गया। इन गांवों में कार्यरत स्वास्थ्य विभाग के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय कुलपति कपिल देव मिश्र द्वारा आई.सी. एम.आर. में किया गया। कार्यक्रम में रादुविवि स्वास्थ्य केन्द्र प्रभारी डॉ. संजय श्रीवास्तव ने बताया कि इस बीमारी की रोकथाम 100 प्रतिशत की जा सकती है। जरूरत है जनजागरूकता की। इसके लिए इन गांवों में निर्वाचित जनप्रतिनिधयों के सहयोग से विशेष कैम्प आयोजित कर ग्रामवासियों को इस रोग के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की जायेगी। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के द्वारा इन 5 गांवों में रक्त सैम्पल एकत्रित कर सिकल सेल एनीमिया रोगी की पहचान की जायेगी। इस कार्य में रादुविवि के एन.एस.एस. के स्वयंसेवक की सक्रिय सेवाएं ली जायेंगी। आदिवासी समाज में जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड से पहचान की जाएगी। विश्वविद्यालय के विशेष दल के द्वारा ग्रामीणजनों में फैली भ्रांतियां, रोग के बारे में उनकी सोच, पारंपरिक विश्वास और अविश्वास की पहचान की जाएगी।

इस अवसर पर डॉ. तापस चकमा, विवि छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्रा, डॉ. राजा सुब्रमणियम, डॉ. रविन्द्र सहित अन्य चिकित्सकगण एवं मण्डला जिले के आशा कार्यकर्ता, एन.एस.एस. के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।